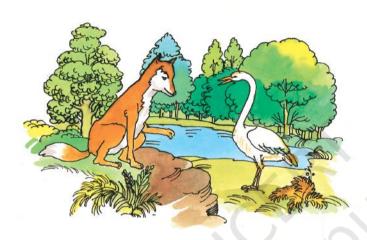


सप्तमः पाठः

# बकस्य प्रतीकारः

## अव्ययप्रयोगः



एकस्मिन् वने शृगालः बकः च निवसतः स्म। तयोः मित्रता आसीत्। एकदा प्रातः शृगालः बकम् अवदत्– "मित्र! श्वः त्वं मया सह भोजनं कुरु।" शृगालस्य निमन्त्रणेन बकः प्रसन्नः अभवत्।

अग्रिमे दिने सः भोजनाय शृगालस्य निवासम् अगच्छत्। कुटिलस्वभावः शृगालः स्थाल्यां बकाय क्षीरोदनम् अयच्छत्। बकम् अवदत् च-"मित्र! अस्मिन् पात्रे आवाम् अधुना सहैव



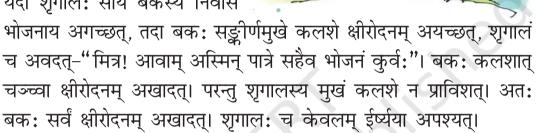
खादाव:।" भोजनकाले बकस्य चञ्चुः स्थालीतः भोजनग्रहणे समर्था न अभवत्। अतः बकः केवलं क्षीरोदनम् अपश्यत्। शृगालः तु सर्वं क्षीरोदनम् अभक्षयत्। शृगालेन वञ्चित: बक: अचिन्तयत्-"यथा अनेन मया सह व्यवहार: कृत:

तथा अहम् अपि तेन सह व्यवहरिष्यामि"।

एवं चिन्तयित्वा सः शृगालम् अवदत्–"मित्र! त्वम् अपि श्वः सायं मया सह भोजनं करिष्यसि"। बकस्य

निमन्त्रणेन शृगाल: प्रसन्न: अभवत्।

यदा शुगाल: सायं बकस्य निवासं



शृगाल: बकं प्रति यादृशं व्यवहारम् अकरोत् बक: अपि शृगालं प्रति तादृशं व्यवहारं कृत्वा प्रतीकारम् अकरोत्। उक्तमपि–

> आत्मदुर्व्यवहारस्य फलं भवति दुःखदम्। तस्मात् सद्व्यवहर्तव्यं मानवेन सुखैषिणा॥

## शब्दार्थाः

शृगालः - सियार jackal

**बकः** - बगुला Indian crane

**आसीत्** – था/थी was **एकदा** (अव्यय) – एक बार once

बोला said/told अवदत् (आने वाला) कल श्व: tomorrow

करो कुरु do

थाली में स्थाल्याम् in the plate

दिया अयच्छत् gave

सङ्कीर्णमुखे संकुचित मुख in a narrow mouth

वाले/तंग मुख वाले में

सहैव (सह+एव) साथ ही same time

चोंच चञ्चुः beak

स्थालीत: थाली से from plate

देखता था/देखती थी अपश्यत् saw खाया/खायी अभक्षयत् ate

चिन्तयित्वा सोचकर after deep thought

प्रतीकारम् बदला revenge

सद्व्यवहर्तव्यम् अच्छा व्यवहार one should act

> करना चाहिए good

सुखैषिणा सुख चाहने वाले के द्वारा by pleasure seeker

## अभ्यास:

### 1. उच्चारणं कुरुत-

| यत्र    | यदा  | अपि    | अहर्निशम् |
|---------|------|--------|-----------|
| तत्र    | तदा  | अद्य   | अधुना     |
| कुत्र   | कदा  | श्व:   | एव        |
| अत्र    | एकदा | ह्य:   | कुत:      |
| अन्यत्र | च    | प्रात: | सायम्     |

|            |            |           | •       |         | •           |       |
|------------|------------|-----------|---------|---------|-------------|-------|
| )          | <u> </u>   | उच्चित्रम | अत्ययपद | चित्वा  | रिक्तस्थानं | ਧਾਹਰ- |
| <b>-</b> • | 1199141111 | 21.31/1.1 | 3134444 | । अर्भा | 1/4/1/411   | 7/4/1 |

|    | अद्य                            | अपि                                     | प्रात:          | कदा          | सर्वदा       | अधुना                                   |
|----|---------------------------------|---|-----------------|--------------|--------------|---|
|    | (क) "" भ्रमणं स्वास्थ्याय भवति। |   |                 |              |              |   |
|    | (폡)                             | ************                            | सत्यं वद।       |              |              |   |
|    | (ग)                             | त्वं                                    | मातुलगृ         | हं गमिष्यसिः |              |   |
|    | (ঘ)                             | दिनेश: विष                              | द्यालयं गच्छि   | ते, अहम् ""  | तेन          | । सह गच्छामि।                           |
|    | (ङ)                             | ************                            | ' विज्ञानस्य य् | गुः अस्ति।   |              |   |
|    | (च)                             | *************************************** | ' रविवासर: ः    | अस्ति।       |              |   |
| 3. | अधोर्व                          | लिखितानां                               | प्रश्नानाम् उ   | त्तरं लिखत   |              |   |
|    | (क)                             | शृगालस्य                                | मित्रं कः आ     | सीत्?        |              |   |
|    | (폡)                             | स्थालीत:                                | कः भोजनं न      | । अखादत्?    |              |   |
|    | (刊)                             | बकः शृगा                                | लाय भोजने       | किम् अयच्    | ष्रत्?       |   |
|    | (ঘ)                             | शृगालस्य                                | स्वभाव: की      | दृश: भवति?   | )            |   |
| 4. | पाठात                           | न् पदानि <b>रि</b>                      | चत्वा अधो       | लिखितानां    | विलोमपदा     | ने लिखत-                                |
|    | यथा-                            | शत्रुः                                  | मित्रम्         |              |              |   |
|    | -                               | सुखदम्                                  | ************    | •••••        | दुर्व्यवहार: | •••••                                   |
|    | 3                               | शत्रुता                                 | •••••           | •••••        | सायम्        | *************************************** |
|    |                                 | अप्रसन्न:                               | *************   | •••••        | असमर्थ:      | ***********                             |

| _          |          |             |        |     |                  |
|------------|----------|-------------|--------|-----|------------------|
| <b>5</b> . | मञ्जषात: | सम्चितपदानि | ाचत्वा | कथा | परयत-            |
|            |          |             |        | 4   | <b>A</b> 1 1 1 1 |

| मनोरथै: | पिपासित:  | उपायम् | स्वल्पम् | पाषाणस्य | कार्याणि |
|---------|-----------|--------|----------|----------|----------|
| उपरि    | सन्तुष्टः | पातुम् | इतस्तत:  | कुत्रापि |          |

एकदा एक: काक: "आसीत्। सः जलं पातुम् अभ्रमत्। परं जलं न प्राप्नोत्। अन्ते सः एकं घटम् अपश्यत्। घटे जलम् आसीत्। सः एकम् अचिन्तयत्। सः खण्डानि घटे अक्षिपत्। एवं क्रमेण घटस्य जलम् आगच्छत्। काकः जलं पीत्वा अभवत्। परिश्रमेण एव सिध्यन्ति न तु

#### 6. तत्समशब्दान् लिखत-

| यथा- | सियार | शृगाल:                                  |
|------|-------|---|
|      | कौआ   | **************                          |
|      | मक्खी | ******************                      |
|      | बन्दर | ******************                      |
|      | बगुला | *************************************** |
|      | चोंच  | *************************************** |
|      | नाक   | *************************************** |